ये अव्यक्त इशारे

इस अव्यक्ति मास में बन्धनमुक्त रह जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करो

21-01-2026

जैसे और स्थूल वस्तुओं को जब चाहो तब लो और जब चाहो तब छोड़ दो। वैसे देह के भान को जब चाहो तब छोड़ कर देही अभिमानी बन जाओ – यह प्रक्टिस इतनी सरल हो जितनी कोई स्थूल वस्तु की सहज होती है। रचयिता जब चाहे रचना का आधार ले, जब चाहे तब रचना के आधार को छोड़ दे, जब चाहे तब न्यारे, जब चाहें तब प्यारे बन जायें-इतना बन्धन मुक्त बनो।

In this avyakt month, stay free from bondage and experience the stage of liberation in life

Just as you pick up physical things when you want and leave them when you want, in the same way, leave the consciousness of your body when you want and become soul conscious. Let this practise be so easy, just as it is easy with anything physical. The creator can take the support of his creation or leave its support whenever he wants; he can be detached or loving when he wants. This will make you free from bondage.